महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय में हुई जैव विविधता एवं पर्यावरणीय परिवेश की महत्ता विषय पर चर्चा

वर्धा, दिनांक, 05 फरवरी, 2015: पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता एवं चेतना संबंधित निजी जानकारी तथा अनुभवों द्वारा विषय पर गम्भीरतापूर्ण व्याख्यान दिए। यह चर्चा "जैव विविधता एवं पर्यावरणीय परिवेश की महत्ता" विषय पर एक गम्भीर चर्चा गांधी हिल्स में विश्वविद्यालय की पर्यावरण क्लब द्वारा की गई। नागपुर विश्वविद्यालय के भुतपूर्व प्रोफेसर एवं डॉ. रमेश आचार्य वर्धा जिला की जैवविविधता एवं पर्यावरण संरक्षण में यहाँ पर पाए जानेवाले विलुप्त प्राय जीव जन्तु एवं वृक्षों से संबंधित एक नवीन ज्ञान से इनके संरक्षण के प्रति अवलोकन कराए तथा एसी परिस्थितियों से भी परिचित कराए जो इनके लिए अनुकूल हो।

शिक्षा मंडल के अधिष्ठाता प्रो. अतुल शर्मा अपने चर्चा में जल संरक्षण के प्रति एक नवीन विधा की खोज से संबंधित जो व्याख्यान प्रस्तुत किए वो निश्चित ही वर्तमान समय में जल संरक्षण के प्रति सकारात्मक सोच है। स्वयंसेवी वाईल्ड लाईफ वार्डेन श्री कौशल मिश्र अपने वक्तव्य में वर्धा जिला के आसपास के वनों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी तथा वन संरक्षण संबंधित विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर वर्धा जिलावनविभाग की उप वन संरक्षक श्री मुकेश गणात्रा महोदय संबंधित विषय पर मुख्य वक्तव्य दिये। इसके पश्चात नागपुर विश्वविद्यालय के भुतपूर्व प्रोफेसर एवं डॉ. रमेश आचार्य, वर्धा; वाईल्ड लाईफ वार्डेन श्री कौशल मिश्र एवं शिक्षा मंडल के अधिष्ठाता प्रो. अतुल शर्मा भी निजी वक्तव्य दिए।

पर्यावरण क्लब के समन्वयक अनिर्बाण घोष बैठक में विश्वविद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण संबंधित जानकारी दिए।अंत में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्ष प्रार्थना से सन्देश दिया।

बैठक में जनसंपर्क अधिकारी श्री बी. एस. मिरगे, सहायक संपादक डॉ. अमित बिश्वास, सुश्री अनुपमा पाण्डेय, अनुपमा कुमारी, प्रकाश उपरेती, कांचन बोस, हुसन तब्स्सुम,रविशंकर लाल सहित उचित संख्या में विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित थे।